शरणागत वि. (तत्.) शरण में आया हुआ व्यक्ति, शत्रु से रक्षा हेतु शरण के लिए आया हुआ 2. शिष्य, चेला।

शरणागति स्त्री. (तत्.) विपत्ति एवं शत्रु से रक्षा के लिए किसी की शरण में जाना, रक्षा हेतु आश्रय प्राप्त करना।

शरणायन्न वि. (तत्.) शरण में आया हुआ, शरणागत।

शरणार्थी वि. (तत्.) शरण चाहने वाला, वह जो कहीं शरण जाना चाहता हो, रक्षा चाहने वाला, शरण का अभिलाषी, विस्थापित होकर शरण चाहने वाला।

शरणी *स्त्री*. (तत्.) पथ, पंक्ति, भूमि, इंद्रपुत्री जयंती वि. शरणदायिनी, शरण देने वाली।

शरणय वि. (तत्.) शरण देने योग्य, असहाय, शरणागत का रक्षक, जहाँ जाकर शरण ली जा सके, शरण में आए हुए की रक्षा करने वाला पुं. (तत्.) रक्षा, आश्रय-स्थान, शिव।

शरतल्प पुं. (तत्.) शरशय्या, बाणों की शय्या।

शरत्काल पुं. (तत्.) शरत्-ऋतु का समय, अश्विन और कार्तिक मास का समय।

शरत्पद्य पुं. (तत्.) श्वेतकमल, सफेद कमल।

शरत्पर्व पुं. (तत्.) आश्विन महीने की पूर्णिमा, शरतपर्व, शरद् विषुव के समीप होने वाली पूर्णिमा।

शरदंड पुं. (तत्.) सरकंडा, चाबुक।

शरदंडाग्र पुं. (तत्.) बाणिशरा, बाण के अग्र भाग में लगा धातु या पत्थर का नुकीला अंश।

शरदंत पुं. (तत्.) शरद् ऋतु का अंत, हेमंत ऋतु का प्रारंभ।

शरदंबुधर *पुं*. (तत्.) शरद् ऋतु के बादल, शरदकालीन मेघ।

शरदाकाश पुं. (तत्.) शरद् ऋतु का आकाश, स्वच्छ नीला आसमान।

शरदिंदु पुं. (तत्.) शरद् ऋतु का चंद्रमा।

शरदिज वि. (तत्.) शरद् ऋतु में उत्पन्न, शरद् ऋतु से संबंधित।

शरद् स्त्री. (तत्.) अश्विन और कार्तिक मास की ऋतु जो वर्षा ऋतु के बाद आती है, वत्सर, वर्ष, साल।

शरद्घन पुं. (तत्.) शरद् ऋतु के समय के घन (बादल), शरदकालीन मेघ।

शरद्दभुव पुं. (तत्.) वृत्तपत्र नाम का साग।

शरद्विषुव पुं. (तत्.) खगो. दिनमान और रात्रिमान बराबर होने वाला 23 सितंबर का वह क्षण जब सूर्य विषुवत् रेखा को उत्तर से दक्षिण जाते हुआ पर करता है, तुला राशि आदि।

शरधि पुं. (तत्.) तूणीर, तरकश।

शरनिर्देश पुं. (तत्.) तीर-प्रक्षेपण।

शरिन्नशा स्त्री. (तत्.) शरद् ऋतु की निशा।

शरनमुख पुं. (तत्.) शरद् ऋतु का आरम्भ।

शरनमेघ पुं. (तत्.) शरद् ऋतु के बादल, शरद्घन।

शरपंजर पुं. (तत्.) बाण पर बाण चलाकर बनाया हुआ बाणों का घेरा, शरकोट।

शरपुंख पुं. (तत्.) तीर का वह हिस्सा जहाँ पंख लगा हो, तीर में लगा पंख, बाण में लगा हुआ पर, सरफोंका।

शरफल पुं. (तत्.) तीर का नुकीला, तीक्ष्ण भाग जहाँ धातु या पत्थर लगा हो।

शरबत पुं. (अर.) 1. शक्कर, खाँड आदि को पानी में घोलकर बनाया हुआ पेय, रस 2. चीनी आदि में पका हुआ किसी औषधि का अर्क 3. शक्कर मिला जल 4. दवा के रूप में फलों का रस, पेय 5. पेय की वह मात्रा जो एक बार में पी जा सके, मीठा पेय पदार्थ।

शरबती वि. (अर.) 1. रसदार, शरबत के रंग का, सरस पुं: हल्का पीला रंग जिमें थोड़ी सुर्खी भी हो 2. मखमल जैसा बारीक कपड़ा 3. कबूतर का एक प्रकार 4. चकोतरा नींबू।

शरबान पुं. (तद्.) अगियाघास।